SEWADHAM ASHRAM

EST.1989

WEEKLY HIGHLIGHTS

8-14 April, 2025

36 वर्षों से, अंकितग्राम सेवाधाम आश्रम मानवता की सेवा में निरंतर कार्यरत है व हम आपको साप्ताहिक मुख्य गतिविधियों की जानकारी पहुँचाने का प्रयास करेंगे। कृपया हमें अपने सुझाव और मार्गदर्शन देकर सेवा को और अधिक प्रभावी बनाने में सहयोग करें।

८ अप्रैल २०२५

कर्नाटक यूनिवर्सिटी के एम.एस.डबल्यू के छात्र-छात्राओं का आश्रम भ्रमण, भविष्य के लिए भाईजी ने मार्गदर्शन प्रदान किया

कर्नाटक यूनिवर्सिटी (धारवाड़) के सोशल वर्क विभाग के 40 छात्र-छात्राएँ, जिन्होंने 7 अप्रैल को सेवाधाम आश्रम में रात्रि विश्राम किया था, आश्रम में उनके भोजन और आवास की निशुल्क व्यवस्था की गई। उन्होंने अगले दिन पूरे आश्रम परिसर का विस्तार से अवलोकन किया, विभिन्न प्रकल्पों का दौरा किया और निवासियों के साथ समय बिताया। इन भावी समाजसेवकों ने न केवल आश्रम के सेवा कार्यों को निकट से देखा, बल्कि निवासियों की कहानियों से गहराई से जुड़े। कई छात्रों ने कहा कि यह अनुभव उनके जीवन का एक परिवर्तनकारी क्षण रहा। सेवाधाम परिवार ने सभी विद्यार्थियों को स्नेह, सरलता और आत्मीयता से स्वागत किया। उनके अनुभव और सेवा के प्रति जिज्ञासा देखकर आश्रम के सेवा सारथियों को भी नई प्रेरणा मिली।

८ अप्रैल २०२५

प्रेम दिवस: एक यादगार श्रद्धांजलि – सेवाधाम में स्व. प्रेम सिंह मंडलोई की स्मृति को समर्पित

अंकितग्राम सेवाधाम आश्रम में 8 अप्रैल को एक विशेष और भावपूर्ण आयोजन हुआ। मध्य प्रदेश पुलिस हाउसिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, उज्जैन के प्रोजेक्ट इंजीनियर श्री राजेंद्र कुमार शर्मा ने पुलिस हाउसिंग बोर्ड परिवार के सदस्य, स्वर्गीय श्री प्रेम सिंह मंडलोई की स्मृति में अपने जन्मदिन को “प्रेम दिवस" के रूप में समर्पित किया। इस अवसर पर पुलिस हाउसिंग उज्जैन परिवार के सदस्य एवं स्वर्गीय मंडलोई जी के 50 से अधिक मित्रगण उपस्थित हुए।

यह दिन उनके जीवन और सेवा को समर्पित एक आत्मीय स्मरण बन गया। उनकी सुपुत्री डॉ. पिंकी भी इस भावुक क्षण में उपस्थित रहीं और आश्रम परिवार के साथ जुड़कर सेवा के इस पावन कार्य को और भी अर्थपूर्ण बना दिया। सेवाधाम परिवार ने इस आयोजन को प्रेम, श्रद्धा और आत्मीयता से आत्मसात किया।

८ अप्रैल २०२५

ऊर्जा प्रवाह: पद्मश्री डॉ. धर्मपाल सैनी का विक्रम विश्वविद्यालय में सम्मान एवं प्रेरणादायक मार्गदर्शन

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन में “ऊर्जा प्रवाह” कार्यक्रम, जो कुलपति प्रोफेसर श्री अर्पण भारद्वाज की अद्यक्षता में आयोजित हुआ, के अंतर्गत एक विशेष आयोजन में पद्मश्री डॉ. धर्मपाल सैनी जी का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सुधीर भाई ने भी सम्बोधन किया। डॉ. सैनी जी, जो दशकों से बस्तर जैसे दुर्गम आदिवासी क्षेत्रों में कन्याओं की शिक्षा और सेवा के माध्यम से जनजागरण का कार्य कर रहे हैं, आज भी अपनी सादगी, करुणा और समर्पण से समाज को दिशा दे रहे हैं। उन्होंने न केवल नक्सली प्रभावित क्षेत्रों में सैकड़ों आदिवासी बच्चों को शिक्षित किया, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भरता और गरिमापूर्ण जीवन की राह भी दिखाई। कार्यक्रम में डॉ. सैनी ने विश्वविद्यालय के छात्रों को सेवा, सादगी और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना से ओत-प्रोत प्रेरक विचार साझा किए। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान और ऊर्जा का उपयोग केवल व्यक्तिगत उन्नति के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और वंचितों की सेवा में भी करें। विक्रम विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं और अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम प्रेरणा और ऊर्जा का स्रोत बना। डॉ. सैनी जी की उपस्थिति से पूरा वातावरण एक नई चेतना से भर गया।

SEWADHAM ASHRAM

EST.1989

WEEKLY HIGHLIGHTS

8-14 April, 2025

९ अप्रैल २०२५

अंकितग्राम सेवाधाम आश्रम के विशेष बच्चों द्वारा जीटो के आव्हान पर विश्व नवकार महामंत्र दिवस पर सतत नवकार मंत्र का जाप किया

अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम में 1100 से अधिक दिव्यांगजनों ने श्री पारस कटारिया, श्री अमित कुमट एवं श्री अनिल सुराणा (इन्दौर) की प्रेरणा से जैन इंटर्नैशनल ट्रेड ऑर्गनिज़ेशन (जीटो) के आव्हान पर विश्व नवकार महामंत्र दिवस 9 अप्रैल 2025 को प्रातः 07 बजे से 08.05 बजे तक सतत् नवकार मंत्र का जाप कर भगवान महावीर की आराधना की।

इस अवसर पर आश्रम संस्थापक सुधीर भाई गोयल ने भगवान महावीर के सद्वाक्य 'जिसने दुःखियों को जाना उसने मुझे पहचाना' के सूत्र वाक्य को चरितार्थ करते हुए निरंतर मानव सेवा का संकल्प लिया।

१० अप्रैल २०२५

महावीर जयंती पर सेवाधाम आश्रम में जीवदया और मानव सेवा का संकल्प

अंकितग्राम सेवाधाम आश्रम में महावीर जयंती बड़े श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाई गई। इस पावन अवसर पर सुधीर भाई और सभी सेवासार्थियों ने भगवान महावीर स्वामी के अहिंसा, करुणा और जीवदया के उपदेशों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान महावीर के पूजन एवं ध्यान से हुई, जिसके पश्चात उनके जीवन और संदेशों पर एक प्रेरणादायक चर्चा आयोजित की गई। भगवान महावीर ने 'जियो और जीने दो' का जो अमूल्य संदेश मानवता को दिया, वही सेवाधाम आश्रम की सेवा भावना का भी मूल है। आश्रम वर्षों से न केवल बेसहारा और पीड़ित मानवों की सेवा कर रहा है, बल्कि गौशाला में रहने वाली सैकड़ों गौमाताओं, पशु-पक्षियों, और अनेक निराश्रित प्राणियों को भी सहारा प्रदान करता है। यह जीवदया की वही भावना है, जो भगवान महावीर ने अपने जीवन और आचरण से विश्व को सिखाई। इस अवसर पर सुधीर भाई ने कहा – "भगवान महावीर ने जिस प्रकार करुणा को अपने जीवन का आधार बनाया, वही करुणा हमें भी अपनानी चाहिए। आश्रम का हर सेवाकार्य उसी भावना का विस्तार है।" कार्यक्रम में बच्चों ने भक्ति गीत प्रस्तुत किए और विशेष प्रसादी का आयोजन भी किया गया। पूरे वातावरण में अहिंसा, करुणा और सहअस्तित्व का मधुर संदेश गूंजता रहा।

१० अप्रैल २०२५

महावीर जयंती पर 1100 आश्रमवासियों के लिए विशेष भोज प्रसादी

महावीर जयंती के पावन अवसर पर सेवाधाम आश्रम में समस्त 1100 आश्रमवासियों के लिए विशेष भोज प्रसादी की व्यवस्था की गई।

यह आयोजन भगवान महावीर के सिद्धांतों – करुणा, समानता और सेवा भावना – के अनुरूप समर्पित था। सभी आयु वर्ग के निवासी—विशेष रूप से दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं, बच्चे और गंभीर रोगों से पीड़ित आश्रयवासी—ने प्रेमपूर्वक परोसी गई प्रसादी का आनंद लिया।

सेवासार्थियों द्वारा स्नेह और श्रद्धा से भोजन परोसा गया, जिससे वातावरण पूर्णतः आध्यात्मिक और सेवा भाव से ओतप्रोत हो गया।

इस आयोजन के माध्यम से आश्रम ने यह संदेश दिया कि किसी भी पर्व का असली उत्सव तभी सार्थक होता है, जब उसमें सबसे अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को भी सच्चे मन से शामिल किया जाए।

१० अप्रैल २०२५

इंदौर के श्री रमेश टोंगिया जी ने अपनी बहू के जन्मदिन को एक अद्भुत और सेवा-परक रूप में मानते हुए आश्रम में सभी आश्रमवासियों के लिए 1000 विशेष जैन कप केक्स का वितरण करवाया।

विशेष

- आश्रम में लगभग 20 नए प्रवेश निवेदनों को अस्वीकार कर दिया गया, क्योंकि वे लोग परिवार से संबंधित हैं और उन्हें पारिवारिक सहयोग उपलब्ध है।

- संस्था परिवार के सेवा सारथी, दर्पण, के पिताजी का अचानक देहांत हो गया। इस दुःखद अवसर पर भाईजी ने गहरा शोक व्यक्त किया और कांता भाभीजी पगड़ी की रस्म पर उपस्थित रहीं।

११ अप्रैल २०२५

मायानाथ की करुण कहानी

मायानाथ (56 वर्ष, महिला) पिता स्व.विजयनाथ का सेवाधाम में प्रवेश कलेक्टर महोदय इंदौर की अनुशंसा पर हुआ था। दुर्भाग्यवश, परिवार उन्हें यहाँ छोड़ गया और फिर कभी पलटकर नहीं देखा। 6 अप्रैल 2025 को जब उनकी तबीयत बिगड़ी, तो आश्रम द्वारा उनकी मां और मामा को सूचना दी गई। लेकिन कोई नहीं आया। कहा गया कि पुलिस में शिकायत करेंगे तब जाकर आखिरकार, 8 अप्रैल को उनकी मां आश्रम पहुंचीं। 9 अप्रैल को कुछ रिश्तेदार मिलने आए — वे मां को साथ ले जाने आए थे, लेकिन माँ को यहीं रखा गया, मायानाथ के स्वास्थ्य को देखते हुए उन्हें जाने नहीं दिया गया। 11 अप्रैल की शाम, मायानाथ ने अपनी मां की आंखों के सामने अंतिम सांस ली। जब उनके निधन की सूचना उनके परिजनों को दी गई, तो जवाब मिला — “जला दो।”, मृत्यु के बाद भी परिवार ने मुंह मोड़ लिया। भाईजी की यह इच्छा थी कि अंतिम संस्कार परिजन मौजूद हों — इसीलिए देर शाम तक प्रतीक्षा की गई, लेकिन जब कोई नहीं आया, तब सेवाधाम परिवार ने ही उनका ससम्मान अंतिम संस्कार किया। मायनाथ अकेले आइँ थी, लेकिन सेवाधाम ने उन्हें परिवार की गरिमा के साथ विदा किया। यही है आश्रम की आत्मा — जहाँ हर प्राणी को मान, स्नेह और अंतिम क्षणों में भी सम्मान मिलता है।

१२ अप्रैल २०२५

हनुमान जन्मोत्सव पर आश्रम में भव्य आयोजन

12 अप्रैल 2025 को, आश्रम में भगवान हनुमान का जन्मोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हनुमान जी की पूजा और भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें आश्रम के सभी निवासियों ने भाग लिया। श्री सुधीर भाई ने हनुमान जी के आदर्शों पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से उनके साहस, भक्ति और सेवा की भावना को महत्व देते हुए। इस दिन के अंत में, सभी निवासियों को प्रसाद वितरित किया गया और एक विशेष भोजन का आयोजन किया गया। हनुमान जन्मोत्सव पर सभी ने संकल्प लिया कि वे हनुमान जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएंगे और समाज सेवा के मार्ग पर चलेंगे।

१२ अप्रैल २०२५

महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी महेश योगी जी का सेवाधाम आश्रम आगमन

सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी, अयोध्या के महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी महेश योगी जी का सेवाधाम आश्रम आगमन हुआ। महाराजश्री ने आश्रम के पदाधिकारियों का सम्मान किया और आश्रम ने महाराजश्री का। सुधीर भई और डॉ. ऋषि मोहन जी भटनागर के साथ आश्रम के विभिन्न सेवा प्रकल्पों का अवलोकन करने के बाद उन्होंने गहरी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि — “यहाँ जो सेवा कार्य हो रहा है, वह अद्वितीय और अनुकरणीय है। यही सच्चा धर्म है।” उनका स्नेहाशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

१२ अप्रैल २०२५

आश्रम में हनुमान जन्मोत्सव पर विशेष भोजन और भंडारा

उज्जैन के श्री हेमंत जी आगरकर और श्री रधेश्याम जी अंबावतिया ने आश्रम में विशेष भोजन और प्रतिवर्षानुसार भंडारे में सहयोग दिया। इस पावन अवसर पर आश्रमवासियों को स्वादिष्ट भोजन प्रदान किया गया और सभी ने एकजुट होकर इस आयोजन का आनंद लिया। श्री हेमंत जी आगरकर और श्री रधेश्याम जी अंबावतिया के इस सहयोग के लिए आश्रम परिवार ने उनका आभार व्यक्त किया।

१२ अप्रैल २०२५

अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम में दैनिक भास्कर चेयरमेन स्व. रमेशचन्द्र अग्रवाल की पुण्यतिथि पर दिव्यांगो हेतु अन्नदान

अंकितग्राम सेवाधाम आश्रम में दैनिक भास्कर के चेयरमेन स्व. रमेशचंद्र अग्रवाल की पुण्यतिथि पर आश्रम संस्थापक सुधीर भाई गोयल ने श्री अग्रवाल जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके सद्कार्यों को याद किया। श्री अग्रवाल जी का आश्रम से अतिव स्नेह रहा है। पुण्यतिथि पर दैनिक भास्कर परिवार द्वारा विशेष बच्चों हेतु भोजन सामग्री प्रदान की गई। इस अवसर पर आश्रम संस्थाध्यक्ष डॉक्टर ऋषि मोहन भटनागर साहित् दैनिक भास्कर ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

१२ अप्रैल २०२५

प्रबंधन समिति की बैठक संपन्न

प्रबंधन समिति की बैठक ऋषि मोहन जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस महत्वपूर्ण बैठक में सचिन जी सांघीवाला, ज़िला मंत्री - भारतीय किसान संघ (रोहतक) विशेष रूप से उपस्थित रहे। आश्रम की वर्तमान स्थिति, गतिविधियों और आगामी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सेवा कार्यों की निरंतरता, पारदर्शिता और प्रभावशीलता पर विशेष चर्चा हुई।

SEWADHAM ASHRAM

EST.1989

WEEKLY HIGHLIGHTS

8-14 April, 2025

१२ अप्रैल २०२५

हनुमान जन्मोत्सव पर उजड़खेड़ा हनुमान मंदिर के दर्शन

हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर, सुधीर भई उजड़खेड़ा हनुमान मंदिर गए और अपने परम आराध्य गुरुदेव परम पूज्य श्री रणछोड़दास जी महाराज की तपोभूमि के दर्शन किए। इस पावन अवसर पर, राजकोट गुरुदेव आश्रम के श्री प्रवीण भाई वसानी से मुलाकात हुई। साथ ही, आशिष जी पुजारा और जयदीप जी पुजारा से भी वार्तालाप हुआ और प्रसाद ग्रहण किया। इस यात्रा ने सभी को आध्यात्मिक उन्नति का अनुभव कराया।

१२ अप्रैल २०२५

स्व. दीप सिंह यादव की स्मृति में मंदिर निर्माण कार्यक्रम

आश्रम के समीपस्थ ग्राम अंबोदिया में स्व. दीप सिंह यादव जी की स्मृति में मंदिर निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पावन अवसर पर सुधीर भाई, आश्रम अध्यक्ष डॉ. ऋषि मोहन भटनागर एवं श्री सचिन सांघीवाला जी ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और ग्रामवासियों को शुभकामनाएँ दीं।

१३ अप्रैल २०२५

उज्जैन जैन समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री प्रदीप बाँठिया जी का परिवार सहित आश्रम आगमन

१३ अप्रैल २०२५

प्रतिष्ठित समाजसेवी श्री सुरजमल अग्रवाल जी की पोती के विवाह समारोह में नवविवाहित जोड़े को शुभाशीर्वाद प्रदान किया

विशेष

सेवाधाम आश्रम की छीतेपुर शाखा, जो विनोबा प्रवाह के श्री रमेश भैया जी के माध्यम से संचालित हो रही है, वहाँ के कुछ पल — जिनमें सेवाधाम मंदिर का लोकार्पण और आश्रम में रह रहे कुछ बच्चे व वृद्धजन शामिल हैं।

विशेष

कल्याणम करोती, लखनऊ के माध्यम से सुधीर भाई पिछले २ वर्षों से अयोध्या में श्री दीन बंधु नेत्र चिकित्सालय में नेत्र रोगियों के लिए प्रतिदिन खिचड़ी वितरण कर रहे हैं। गत वित्तीय वर्ष में लगभग ३०,००० नेत्र रोगी इस सेवा से लाभान्वित हुए।

SEWADHAM ASHRAM

EST.1989

WEEKLY HIGHLIGHTS

8-14 April, 2025

१३ अप्रैल २०२५

महावीर जयंती पर श्री जैन श्वेतांबर सोशल ग्रुप – सीनियर सिटीजन (इंदौर) द्वारा अंकितग्राम सेवाधाम आश्रम का सम्मान और सहयोग

इंदौर स्थित श्री जैन श्वेतांबर सोशल ग्रुप – सीनियर सिटीजन द्वारा महावीर जयंती के पावन अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस गरिमामय समारोह में पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. सत्यनारायण जटिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान डॉ. जटिया और अंकितग्राम सेवाधाम आश्रम के संस्थापक श्री सुधीर भाई का विशेष सम्मान किया गया। यह ग्रुप विगत 25 वर्षों से सेवाधाम आश्रम से जुड़ा हुआ है और सेवा कार्यों में सहभागी बना हुआ है। समारोह में अध्यक्ष श्री सुरेश देशलहरा, सचिव श्रीमती किरण संचेती, श्री पारस कटारिया, श्री, नरेंद्र कुमार रांका, डॉ. विमल भंडारी, श्री पी.के. मेहता, श्री आनंदीलाल लोढ़ा सहित जैन समाज के 150 से अधिक गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। डॉ. जटिया ने अपने उद्बोधन में समाजसेवा के महत्व और महावीर स्वामी के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। वहीं सुधीर भाई ने भी अपने संबोधन में भगवान महावीर के उपदेशों की प्रासंगिकता तथा सेवाधाम आश्रम की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी साझा की। समारोह के अंत में श्री आनंदीलाल लोढ़ा द्वारा आश्रम हेतु ₹1.50 लाख की राशि का चेक डॉ. जटिया के करकमलों से श्री सुधीर भाई को प्रदान किया गया। इस अवसर पर श्री मेहुल संघवी एवं प्रवेश सिंघल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

१३ अप्रैल २०२५

श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस (म.प्र.) का शपथ विधि समारोह सम्पन्न

श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस (मध्यप्रदेश प्रांतीय शाखा) का शपथ विधि समारोह 13 अप्रैल 2025 को इंदौर में भव्य रूप से आयोजित किया गया। इस गरिमामय अवसर पर मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम को सम्बोधित किया और अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। कार्यक्रम में श्री रमेश भंडारी जी, श्री हेमंत वोरा जी के साथ अनेक विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को और बढ़ाया। इस आयोजन की संपूर्ण व्यवस्था प्रांतीय अध्यक्ष श्री हुलास बेताला जी एवं समस्त टीम द्वारा अत्यंत सुंदर और व्यवस्थित रूप से की गई, जिसके लिए वे विशेष बधाई के पात्र हैं।

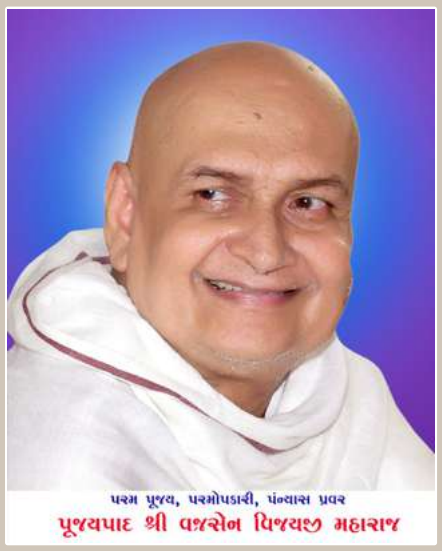

१३ अप्रैल २०२५

पूज्य आचार्यगण की कृपा से किराना सामग्री का सहयोग प्राप्त

परम पूज्य पन्यास वज्रसेन विजय जी महाराज साहब एवं परम पूज्य आचार्य श्रीमद् हेमप्रभ महाराज साहब की अनंत कृपा और श्री पारस भाई डोढिया द्वारा श्री महेन्द्र भई के माध्यम से किराना प्राप्त हुआ।

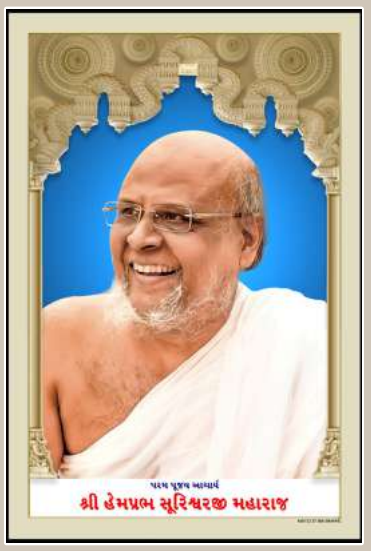

SEWADHAM ASHRAM

EST.1989

WEEKLY HIGHLIGHTS

8-14 April, 2025

१४ अप्रैल २०२५

पंडित श्री राम शर्मा जी के सान्निध्य में सर्वधर्म सनातनी हिंदू समाज द्वारा आयोजित 125 कन्याओं का सामूहिक विवाह संपन्न

आज, 14 अप्रैल 2025 को, शाजापुर ज़िले के जामनेर में पंडित श्री राम शर्मा जी के सान्निध्य में सर्वधर्म सनातनी हिंदू समाज द्वारा आयोजित 125 कन्याओं के सामूहिक विवाह सम्मेलन में, अंकितग्राम सेवाधाम आश्रम भी सहयोगी बना। भाईजी और कांता भाभीजी इस पावन अवसर पर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देने के लिए उपस्थित रहे और सभी 125 बेटियों को चुनरी उढ़ाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार रहे और उन्होंने मान्नीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी का संदेश भी मंच से दिया। इस अवसर पर कालापीपल विधायक श्री घनश्याम चंद्रवंशी, शाजापुर विधायक श्री अरुण भीमावत एवं अनेक संत-महंतों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। आयोजन में काशीराम जी पाटीदार और आयोजन समिति ने बहुत सुंदर व्यवस्था की।

१४ अप्रैल २०२५

सिंगोली (म.प्र.) में जैन संतों पर हमला: आश्रम के संस्थापक श्री सुधीर भाई ने की कड़ी निंदा

सिंगोली (म.प्र.) में जैन संतों पर हुए हमले की घटना अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। इस कृत्य की कोई भी शब्दों में निंदा करना संभव नहीं है। आश्रम के संस्थापक श्री सुधीर भाई ने भी इस घटना की कड़ी आलोचना की और इसे बेहद घृणित बताया। हम इस घिनौनी घटना की तीव्र निंदा करते हैं और प्रशासन से निवेदन करते हैं कि वे दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करें। मान्नीय मुख्यमंत्री जी की कड़ी कार्यवाही के आश्वासन पर उनके प्रति आभार व्यक्ति किया। हम आशा करते हैं कि इस घटना के बाद समाज में शांति, अहिंसा और भाईचारे का माहौल फिर से बना रहे और ऐसे कृत्यों का पुनरावृत्ति न हो। हमारे संतों और साधुओं की सुरक्षा हमेशा सर्वोपरि होनी चाहिए।

विशेष

१२ अप्रैल २०२५

ज़िला कलेक्टर के आदेश से, भिक्षा ना माँगने की शपथ के साथ, 2 भिक्षुक - यमुना बाई (पति फकीर) और बसंती (पति गोपाल) का अपने अपने परिवार में पुनर्वास।

१३ अप्रैल २०२५

एक बहु दिव्यांग एवं क्षय रोग से ग्रसित उम्र ७ वर्षीय बालक जो पूर्ण रूप से पर सेवा पर निर्भर था उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हुई, मृत्यु उपरांत थाना भैरवगढ़ की उपस्थिति में शासकीय जिला चिकित्सालय, उज्जैन में पोस्टमार्टम पश्चात अंतिम संस्कार किया गया।

सेवाभावी स्वयंसेवकों की आवश्यकता

सेवाधाम आश्रम ऐसे समर्पित साथियों की खोज में है, जो अपने समय, अनुभव और योग्यताओं के साथ इस पवित्र मानव सेवा कार्य में सहभागी बनना चाहें। आप आश्रम के सेवा कार्यों से जुड़ने के लिए विभिन्न रूपों में योगदान दे सकते हैं—आश्रम में रहकर पूर्णकालिक सेवा, परिवार सहित रहकर आंशिक सेवा, या अपने कार्य के साथ समय निकालकर सेवा। आश्रम द्वारा आवास, शुद्ध शाकाहारी भोजन, बच्चों के अध्ययन हेतु व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं और एक आत्मनिर्भर, पारदर्शी एवं आध्यात्मिक वातावरण उपलब्ध कराया जाता है। हम ऐसे सेवाभावी व्यक्तित्व की अपेक्षा करते हैं जो व्यसन-मुक्त, लोभ-मुक्त और सभी के प्रति सद्भाव रखने वाला हो। वाहन चालक, भोजनशाला, प्लंबिंग, इलेक्ट्रिकल कार्य हेतु भी योग्य सम्पर्क करें।

सहयोग करने के लिए QR कोड को स्कैन करें। आप चाहें तो सीधे हमारे बैंक अकाउंट (YES BANK) में भी सहोग कर सकते हैं:
Account Name: SEWADHAM ASHRAM I Account number: 038194600000563 I IIFSC: YESB0000381